भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 145

गुरुवार, 2 फरवरी, 2023/13 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

छत्तीसगढ़ में पर्यटन

145. श्री राजीव शुक्लाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा, कोरिया और सरगुजा जिलों के ऐतिहासिक और अन्य पर्यटन स्थलों को विकसित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और छत्तीसगढ़ में उक्त परियोजनाओं के लिए चिन्हित अन्य स्थानों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा परियोजनाओं के शीघ्रातिशीघ्र कार्यान्वयन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान सम्बन्धी राष्ट्रीय मिशन प्रशाद' नामक अपनी योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निधियों की उपलब्धता' उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग की शर्त पर परियोजनाओं को स्वीकृति दी जाती है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत वर्ष 2015-16 में 96.10 करोड़ रु. की राशि से 'जशपुर-कुंकुरी-मैनपत-कमलेशपुर-महेशपुर-कुरदर-सरोदादार-गंगरेल-कोंडागाँव-नथियानवागांव-जगदलपुर-चित्रकूट -तीर्थगढ़ का विकास' परियोजना को स्वीकृति दी गई है जो भौतिक रूप से पूरी हो गई है। इस परियोजना में छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में मैनपत, कमलेश्वरपुर तथा महेशपुर स्थलों में विकास शामिल है।

प्रशाद योजना के तहत वर्ष 2020-21 में 43.33 करोड़ रु. की राशि से छत्तीसगढ़ में 'माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, राजनंदगाँव, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़ का विकास' योजना को स्वीकृति दी गई थी।

पर्यटन मंत्रालय समय-समय पर आयोजित समीक्षा बैठकों के माध्यम से स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की नियमित रूप से निगरानी करता है।

****